श्रीमते नारायणाय नमः

श्रीमते रामानुजाय नमः

जय श्रीमन्नारायण !

श्रीश्रीश्री त्रिदण्डी चिन्न श्रीमन्नारायण रामानुज जीयर स्वामी जी महाराज के तत्त्वावधान में

STATUE OF EQUALITY®

समता कुम्भ - २०२६

श्रीरामानुजास्वामीजी एवं १०८ दिव्यदेशों का चौथा ब्रह्मोत्सव

३०-०१-२०२६ से ०९-०२-२०२६ तक

प्रियतम भगवद् बन्धुओ ! आप सब को सादर स्वागत की सुममाला है ।

समताकुंभ - २०२६
हार्दिक स्वागत सुमांजलि

प्रिय भगवद्बन्धुओ !!

एक हजार वर्ष पूर्व श्रीपेरुम्बूदूर् क्षेत्र में दया के सिन्धु श्रीरामानुज स्वामीजी का अवतार हुआ था। वे बाल्यकाल से ही अलौकिक प्रतिभा से सम्पन्न दूरदर्शी एवं समाज को सुधारने वाले परम प्रामाणिक महापुरुष थे। हर विषय को अनुकूल तर्कसहित शास्त्र प्रमाण से वे सिद्ध करते थे।

वेदशास्त्र के सारभूत अष्टाक्षरी मन्त्र के रहस्यार्थ को उपदेश के रूप में प्राप्त करने के लिए उन्होंने 18 बार गोष्ठीपूर्ण नामक आचार्य का अनुसरण किया था। सैकडों माइल पैदल चलके गुरू के यहाँ जाते समय उन को अलग अलग समय में विशेष अनुभव होता था। जिस से श्रीरामानुज स्वमीजी ने शास्त्र में अपने विश्वास को मजबूत बनाया। यह देखकर गुरूजी का हृदय द्रवित हुआ और उन्होंने श्रीरामानुज स्वामीजी को मन्त्र का अर्थ उपदेश दिया।

श्रीरामानुज स्वामीजी ने ग्रन्थों का परिशीलन कर भगवान् के समता गुण को समझ लिया। श्रीरामावतार में रघुकुलतिलक राम ने केवट, जटायु, शबरी, वानरगण, राक्षस जाति के विभीषण जैसे सब के ऊपर स्नेहपूर्ण समतागुण को दिखाया। उसी प्रकार श्रीकृष्णावतार में भी भगवान् ने मालाकार, कुब्जा आदि से लेकर घण्टाकर्ण जैसे राक्षस जाति तक को भी बिना भेदभाव के अनुग्रह करके अपनाया। भगवद्गीता के नवें अध्याय में प्रभु ने सब को भरोसा दिया है कि - पापयोनियों में जन्म लेने वाले भी मेरा आश्रय लेकर उज्जीवन को प्राप्त कर सकते हैं।

गम्भीर हृदयवाले श्रीरामानुज स्वामीजीने समाज में असमानतारूप दीवालों को तोडकर निम्नस्तर के लोगों को भी मन्त्र का उपदेश दिया और मन्दिरों के दरवाजे खोलकर, भगवान् का दर्शन कराया। अपनी अपनी योग्यता के अनुरूप हर वर्ग के लोगों को भगवान् की सेवा का अवसर दिया। यह थी श्रीरामानुज स्वामीजी की असाधारण क्रान्ति।

इस प्रकार के समतागुण को भगवान् के १०८ दिव्यदेशों के इतिहास से, श्रीरामानुज स्वामीजीने प्रेरणा के रूप में स्वीकार किया था। पूरे वाङ्मय को परिशीलन करके जगत् के लिए उज्जीवन के राजमार्ग का निर्माण कर श्रीरामानुज स्वामीजी समतामूर्ति बने।

अस्तव्यस्त समाज को सम्हाल कर सन्मार्ग में चलाने के लिए पुनः भाग्यनगर को केन्द्र बनाकर १०८ दिव्यदेशों के साथ श्रीरामानुज स्वामीजी, समतामूर्ति के रूप में सन् २०२२ में प्रतिष्ठित हुए। २०२२ फरवरी 5 तारीख को भारत के माननीय प्रधानमन्त्री श्रीनरेन्द्रमोदीजी ने समता मूर्ति का लोकार्पण किया था। २०२२ फरवरी 13 तारीख को भारते के तत्कालीन मान्य राष्ट्रपति श्रीरामनाथ कोविंद जी ने श्रीरामानुज स्वामीजी के सुवर्णमूर्ति का लोकार्पण किया था। अपने स्थान से ही विश्व की दृष्टि को समतामूर्ति, आकर्षित कर रहे हैं। इस समतामूर्ति स्फूर्ति केन्द्र के वार्षिकोत्सव को महापुरुषों ने **समताकुम्भ** नाम से व्यवहार किया है। यह समताकुम्भ २०२६ जनवरी ३० से फरवरी ९ तक मनाया जाएगा, जिस में विभिन्न उत्सवों के दिव्यदर्शन होंगे।

उक्त कार्यक्रम में आप सब लोगों को समतामूर्ति स्फूर्तिकेन्द्र, सादर आह्वान कर रहा है । पधारें! श्रीरामानुज स्वामीजी का १०८ दिव्यदेशों के साथ दर्शन करें! उन की कृपा को प्राप्त करें! दिव्य आनन्द का सब मिलकर अनुभव करें !

जय श्रीमन्नारायण !

आइए.. दर्शन करिए.. जीवन सफल बनाइए ...

श्रीमते नारायणाय नमः

जय श्रीमन्नारायण

श्रीमते रामानुजाय नमः

दैनंदिनी सूची

प्रात:काल

५:४५ से
सुप्रभातम्
अष्टाक्षरी मन्त्रजप
आराधना, दिव्यप्रबन्धपाठ
होमकुण्ड आरंभ
शात्तुमुरै, आरति, तीर्थ प्रसाद गोष्ठी
नित्य पूर्णाहुति, बलिहरण
दिव्यदेशमूर्तियों की
तिरुमञ्जन सेवा
विशेष उत्सव
सांस्कृतिक कार्यक्रम

सायं काल

५:००.से
श्रीविष्णुसहस्रनाम स्तोत्र का सामूहिक पारायण
साकेत रामचन्द्र भगवान् एवं
18 दिव्य देश के भगवान् का
१८ गरुडवाहन सवारी के साथ में
यागशाला प्रवेश
नित्यपूर्णाहुति शोभायात्रा, मङ्गलाशासन,
तीर्थप्रसाद गोष्ठी

जानवरि २०२६ ३० प्रात: ७:३० से

सुवर्णमूर्ति श्रीभगवद्रामानुजस्वामीजी का

उत्सवारम्भ स्नपन - अभिषेक

सायं काल ६:०० से अंकुरारोपण

जानवरि २०२६ ३१ प्रातः ७:०० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

ध्वजारोहण

संतान कि प्राप्ति के लिए
उचित गरुड प्रसाद दिया जायेगा

अग्निप्रतिष्ठा &
सूर्यप्रभावाहन पर सेवा

सामूहिक श्रीराम अष्टोत्तर शतनामार्चन

सायं काल ६:००-८:३०

साकेत रामचंद्रप्रभु को शेषवाहन पर सेवा

१-१८ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को
१८ गरुड वाहन से सवारी

सायं काल ८:३० पूर्णाहुति, शात्तुमुरै, तीर्थ प्रसादगोष्ठी

फरवरी २०२६ ०१ प्रातः १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

११:३० a.m. - १:०० p.m.

श्रीराम अष्टोत्तरशत नामार्चन

सायं काल ६:००-८:३०

साकेत रामचंद्रप्रभु को चंद्रवाहन पर सेवा

१९-३६ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को १८ गरुड वाहन से सवारी

सायं काल ८:३० पूर्णाहुति, शात्तुमुरै, तीर्थ प्रसादगोष्ठी

फरवरी २०२६ ०२ प्रातः १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

११:३० a.m. - १:०० p.m.

रामानुज नूत्तन्दादि का सामूहिक पारायण

सायं काल ६:००-८:३०

साकेत रामचंद्रप्रभु को हनुमद्वाहन पर सेवा

३७-५४ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को

१८ गरुड वाहन से सवारी

सायं काल ८:३० पूर्णाहुति, शात्तुमुरै, तीर्थ प्रसादगोष्ठी

फरवरी २०२६ ०३ प्रातः १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

११:३० a.m. - १:०० p.m.

डोलोत्सव

सायं काल ६:००-८:३०

साकेत रामचंद्रप्रभु को गजवाहन पर सेवा

५५-७२ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को
१८ गरुड वाहन से सवारी

सायं काल ८:३० पूर्णाहुति, शात्तुमुरै, तीर्थ प्रसादगोष्ठी

फरवरी २०२६ ०४

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

सायंकाल ५:०० बजे से मञ्च पर

सकललोकरक्षक, बहुरूपधारी, सर्वनाम संकीर्तित प्रभु का

१०८ रूपों में ऐतिहासिक, अपूर्व तथा अद्भुत

शान्ति कल्याण महोत्सव

फरवरी २०२६ ०५ प्रातः १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

११:३० a.m. - १:०० p.m.

वसन्तोत्सव

सायं काल
६:००-८:३०

साकेत रामचंद्रप्रभु को अश्ववाहन पर सेवा

७३-९० दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को
१८ गरुड वाहन से सवारी

सायं काल ८:३०
पूर्णाहुति, शात्तुमुरै,
तीर्थ प्रसादगोष्ठी

फरवरी २०२६ ०६ प्रातः १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

११:३० a.m. - १:०० p.m.

सामूहिक लक्ष्मी पूजा

और

गद्यत्रय पारायण

सायं काल ६:००-८:३०

साकेत रामचंद्रप्रभु को गरुडवाहन पर सेवा

९१-१०८ दिव्यदेशों की श्रीमूर्तियों को
१८ गरुड वाहन से सवारी

सायं काल ८:३०
पूर्णाहुति, शात्तुमुरै,
तीर्थ प्रसादगोष्ठी

फरवरी २०२६ ०७ प्रातः १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

१८ दिव्यदेशमूर्तियों की तिरुमञ्जन सेवा

मध्याह्नः १२ बजे से

समतामूर्तिस्फूर्ति केन्द्र में

स्वर्णरामानुजस्वामीजी के लिए

१०८ दिव्यदेशों की मर्यादा (बहुमान) का समर्पण

आचार्यवरिवस्या

क्षीरसागरशायी, सर्वभूत भावन, विशालनेत्र लीलाविहारी का १८ रूपों में सेवा

सायं काल ६:००-८:३०

नौकाविहारोत्सव-मत्स्यलीला

फरवरी २०२६ ०८ प्रात: १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

रथोत्सव

चक्रस्नान

फरवरी २०२६ ०५ प्रात: १०:३० से

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

श्रीपुष्पयाग, द्वादशाराधना, देवतोद्वासना, महा पूर्णाहुति

१०-२-२०२६ दिव्यदेशों में पहला मण्डप का १ से २६ तक
विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

११-२-२०२६ दिव्यदेशों में दूसरा मण्डप का २७ से ५४ तक
विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

१२-२-२०२६ दिव्यदेशों में तीसरा मण्डप का ५५ से ८२ तक
विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

१३-२-२०२६ दिव्यदेशों में चौथा मण्डप का ८३ से 108 तक
विराजमान भगवन्मूर्तियों का उत्सवान्त स्नपन

जय श्रीमन्नारायण !

STATUE OF EQUALITY

कैंकर्य विवरण

यागशाला की सेवा

एक यज्ञकुण्ड के कैङ्कर्य के लिए	-६,०००/-
एक समय के यागशाला के पूरे कैङ्कर्य के लिए	-५१,०००/-

पुष्पों की सेवा

एक दिव्यदेश में एक दिन के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	-३,०००/-
एक दिव्यदेश में 10 दिन के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	-२५,०००/-

वाहन सेवा

एक गरुडवाहन सवारी के पुष्प कैङ्कर्य के लिए	-११,०००/-

वस्त्रसमर्पण

एक दिव्यदेश के कैङ्कर्य के लिए	-२५,०००/-
एक दिव्यदेश के उत्सवमूर्ति के लिए	-५,०००/-

तदीयाराधना

एक भक्त की सेवा में	-१००/-

गौ सेवा गौ दान

तीन साल गौ ग्रास के लिए	-३०,०००/-

और हमारे लिए

तिरुमञ्जन - अभिषेक कैङ्कर्य	-५,०००/-
विशेषोत्सव के लिए	-५,०००/-
सामूहिक अर्चना के लिए	-५००/-
कल्याणोत्सव सेवा	-५,०००/-

सर्व कैंकर्य सेवा - १,०८,०००/-

* एक दिन गरुड सेवा
* कल्याणोत्सव
* वसंतोत्सव
* डोलोत्सव
* तप्पोत्सव
* तिरुमञ्जन सेवा
* अर्चना
* एक दिव्यदेश के वस्त्र समर्पण
* नौ दिन के लिए प्रत्येक ठहरने की व्यवस्था

FORE MORE INFO 7901422022

श्रीमते नारायणाय नमः जय श्रीमन्नारायण श्रीमते रामानुजाय नमः

STATUE OF EQUALITY®

समता मूर्ति के रूप में, श्री रामानुजाचार्य स्वामीजी महाराज को हमारे बीच प्रकट हुए, ४ वर्ष पूर्ण हो रहा है। आइए, इस चौथा वार्षिकोत्सव को मनाएँ

समता कुम्भ - २०२६

श्रीरामानुजास्वामीजी एवं १०८ दिव्यदेशों का चौथा ब्रह्मोत्सव

श्री रामानुजाचार्य स्वामी - 108 दिव्य देशों का ब्रह्मोत्सव...

के नाम से मनाएं।

जाति, वर्ण, लिंग, आयु, राष्ट्रियता के भेद से

ऊपर उठकर, सब मिलकर भगवन्मार्ग पर चलते हुए,

श्री रामानुजाचार्य स्वामी जी के मनोरथ को साकार करें।

हम सब मिलकर आनंदपूर्वक, इस महोत्सव को मनाएं !!

STATUE OF EQUALITY®

समता मूर्ति स्फूर्ति केन्द्र

श्रीरामनगरम्, मुच्चिन्तल, शंषाबाद,

हैदराबाद, तेलंगाण, भारत - 509 325

7901422022

statueofequality.org chinnajeeyar.org

To participate SCAN HERE

आइए.. दर्शन करिए.. जीवन सफल बनाइए ...